

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

卷之四

॥ चढत कय ॐ ति व य स ला हात्र ॥ ज उ द ग व ॐ ति ज व स ला हा
 ॥ मरु धे द ह ॐ ति म रु य ला हात्र ॥ च वं य उ य उ य न य न य ला
 हात्र ॥ क र्ण स म त उ त उ य म आ ॥ सं स्था निय म मु ना फि ॥ ॥ द सा
 य ॥ नानि ॥ इ को त्रा द य ॥ स का त्रा ना व द्धु इ सा य ॥ नानि रु वे नि
 ॥ स व ही नं य ॥ नं ॥ स का त्रा ॥ सु ख मू खी चान ल थ ला दि नं रु क थ
 ॥ ॥ का यी य त ॥ य ला या य ति पि क ॥ क ले चि ला यी यी चो य मा ॥
 व द्धु ॐ स र्णी रु वे ति ॥ य से स र्णी त स ला य ॥ व द्धु द र्म नं ला य ॥ व द्धु

[illegible]

यन्मन्त्रः
स्वप्नं ह्यनुवर्त्तते ॥ एवं मन्त्रं जापित्य पुनस्तुतुं कर्त्तव्यं ॥ कार्यसिद्धिस्तु
ॐ ह्रीं क्लीं ह्रीं क्लीं नमो भगवते वासुदेवाय ॥ यन्मन्त्रं ह्यनुवर्त्तते
नास्मादिह लिख्यते ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ व ॥ ॐ विलेखमायय ॥ स्वप्नं यन् ॥ मन्त्रं
जुग ॥ मन्त्रं ॥ यन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ व ॥ ॐ विलेखमायय ॥
स्वप्नं यन् ॥ यि नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॥ ॐ ॥ ॐ व ॥ ॐ विलेखमायय ॥
स्वप्नं यन् ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥
ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥ ॐ नृन्मन्त्रं लिख्यते ॥

यत्तत्र कथं न या कि ॥ तद्गर्भनमाद ॥ अर्थादिर्घता या निनास्ति दीर्घस्य
 दीर्घता ॥ यद्दीर्घस्य र्दीर्घा यत्तत्र ला या वि धायक ॥ सामान्यं गमसु नी नूनी
 वि (ग) या वत्तत्रानुवत् ॥ यत्तत्र यद्दीर्घा (धावा) या य (म) द्दीर्घता मिद ॥
 वेद या य को सामान्यं ज्ञेय या य का वि (ग) व ॥ ॥ अ० ॥ अ० व० ॥
 पुं यत्तत्र सुदृक् काना नुवत् ॥ तव द्दी ॥ तव द्दी ॥ मम द्दी ॥ मम द्दी ॥
 दलादनी या दी द्दी या व क य ॥ दल द्दी या ॥ दली या ॥ ली गल द्दी या ॥ ला
 मेली या ॥ मन द्दी या ॥ मनी या ॥ अय डाम् ॥ अयाम् ॥ यत्तत्र अ० लि ॥ यत्त

७

तव डा ॥
 तव डा ॥ ॥ अ० वत्तत्रानुवत् ॥ ॥ अ० वत्तत्रानुवत् ॥ तव डा ॥ नौ मि ॥ अ० द्दी
 मी गद ॥ सन्नि न्या प्रा ति ॥ अ० मि ॥ अ० दि त्या ॥ अ० मी ना (ग) ॥ अ० म्य ॥
 यदि त्र ॥ द्दी वत्तत्रानुवत् ॥ द्दी काना नुवत् काना नुवत् काना नुवत् य ग द्दी
 दि त्र वत्तत्रानुवत् सन्नि न्या प्रा ति ॥ मणी वा दि वत्तत्रानुवत् ॥ अ० ग्रा ज्ज ॥ यद्दी
 ॥ सन्नि अ० न य ॥ मणी वा दी ति किं ॥ मणी व ॥ नौ द्दी व ॥ द्दी ती व ॥ अ० म्य ती
 व ॥ अ० या य ती व ॥ अ० या य ती व ॥ ॥ अ० नि या त ॥ अ० का न उ का न नि या त
 च कत्तत्रानुवत् सन्नि न्या प्रा ति ॥ अ० उ व म य म ॥ नौ अ० स्ता न यी ॥ अ० य द्दी

माया य ति वत्

[illegible][illegible]

सकौनस्य कावर्णस्य च वर्णः २

न
२४१। सा नमो नि ४॥

[illegible]

व३
सिकन... का प्रान का प्र स्य ह व ति ॥ ॥ ने सि ॥ अ का प्र य न त व र्ग स्य द्ध त्वेन
ह व ति ॥ ह वा न् य ष ४ ॥ ह वा च्छ ४ ॥ ॥ ठा न् न्या न् ॥ य द न क व र्ण म आ न इ व न
ह व ति ॥ ह वा न् य ष ४ ॥ ह वा च्छ ४ ॥ ॥ ठा न् न्या न् ॥ य द न क व र्ण म आ न इ व न
न ४ स क्त्वे ॥ ना न स्य य द स्य च्छे त् य न स म ग म मो ह व ति ॥ ठि कि टा वा य न
या र्च क यो । ना ज न् वि र्ण । ना ज न् वि र्ण । ह वा न् न ना ति । ह वा न् न ना ति ॥ ॥ अ च क वा ॥
ना न स्य य द स्य (न य न वा य न ग म मो ह व ति ॥ ह वा न् य ष ४ ॥ ह वा च्छ ४ ॥ ह वा
पू न ४ ॥ ह वा पू न ४ ॥ ॥ इा ज स्या ७ दि ४ स न् ॥ ठ का प्र वी का प्र ने का ना ज स्या

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

न वा यत् त्वं त्वं किं ॥ दवा ॥ अणुदवा यत् ॥ दवा अणु ॥ क्वचिन्नामिना ॥ ला
 य ॥ क्वचिन्नामिन ॥ यत्नस्य विसर्जनीयस्य लाया त्वं किं अर्धयत् ॥ इति
 ॥ दन ॥ इति दन ॥ ॥ हो स ॥ हो स ॥ हो स ॥ अर्धयत् ॥ अर्धयत् ॥ अर्धयत् ॥
 विसर्जनीयस्य लाया यत् ॥ हो ॥ अर्धयत् ॥ हो ॥ अर्धयत् ॥ अर्धयत् ॥
 यादि ॥ ॥ नामिनां न ॥ नामिन ॥ यत्नस्य विसर्जनीयस्य त्रको ना
 वत्तयत् ॥ अग्नि ॥ अणु ॥ अग्नि ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥
 यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥ यत् ॥

पञ्चमः ४ याहि ४

[illegible]

नि ॥ सुवननि ॥ अक्षर ॥ सुनि ॥ अक्षर ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७

लं हं वं गो मं मां हं यो दं दं मां बा मिं त्या हा दी ना मै इ दं ता ॥ क चि न्य वृ किं
 क चि दं वे वृ किं क चि दि हा वा क चि दं य द व । वि (ध वि धि नं व दं क
 स मां शु चा तु वि धि वं वा कु ल कं व द नि ॥ व द्धु ग मा व द्धु वि य र्थ य य व
 वा य नो व द्धु वि का न ना (मो) वा ना सु द थ ति ग य न यो ग ४ सु द थ ति य
 अ वि हं नि नू कं ॥ व द्धु ग मा ग वं डो को सि इ व द्धु वि य र्थ य ॥ वा
 उ म दी वि का न ४ वा व द्धु ना ग ४ य वा द व ॥ व द्धु वि का न ना गी र्वा वा
 ना न ति ग य न ४ यो ग ४ सु द थ ति यो र्म यून नु म ना दि य ॥ ॥०॥

१३

हि सि हं सा यां ॥ हिं ॥
 नि वि स र्ज स थि ३ ॥ ॥ यं सु स थि ३ स मा य ४ ॥ ॥ अ थ वि रु कि र्वा
 लो वृ त ॥ सा दि धा ॥ सा दि धा दि य ॥ वि रु क नं य दं भा उ सा दि वि रु कि
 ना धि या र्थ ॥ ॥ अ वि रु कि ना म ॥ वि रु कि न दि तं आ तु व कि र्वा र्थ
 व क द नू यं ना मा य र्थ ॥ क रु द्धि न स मा सा ग्य या ति य वि क र्म रू ष्मि
 क वि न । न स मा न । सि डी क स । अ नू डी । न सुं डी र्वा हि म । क र्वा र्थ स । ड
 हि र्वा र्थ स । क स । ड । म । अ म । डि । ड । म । सु य ॥ ॥ न स मा र्थ ४
 य ना ४ सा द य ४ सु क वि रु क या रु द नि । न गी यो र्म स र्थ क र्वा वि व द्धा
 ना २

श्री सा नमो नमः ॥ ८

यां वथमेकैव नदवसि न्ति सिद्धिं । अका न उ वा न मर्थः ॥
 विमर्शः सका न प्ररु या विमर्श नी या द (म) र व ल व का सा न स य
 दान चो द व भ वि ल वि वे का या मी ॥ अ उ उ ॥ द वी ॥ व क र वि व का या वि
 रु व व न द व उ म न्ति सिद्धिं ॥ उ का न स र्म सा या ला य ॥ य या उ न
 उ सि ति वि (म) य र्म ॥ द व अ म न्ति सिद्धिं । दी र्घ वि स (म) द व ॥ अ न का
 ना ऊ म सा इ सु क क वि द क वे ॥ द वा स ॥ वा म म स ॥ द्वि ती ये क व
 व न द व अ म न्ति सिद्धिं ॥ ॥ अ न सा न स ॥ स मा ना इ ल न या

नम सा न का न स ला या र व ल व का ती ॥ द वी । द वी । व क र व व न द व
 म स न्ति सिद्धिं ॥ म का न ॥ म सा ति वि (म) य र्म ॥ ॥ सा न ॥ य
 स ॥ य र्म सा न स मा ना इ ल न स म स ॥ स का न स न का ना द (म) र व
 ति ॥ ॥ म सि मि सि य न य व ल दी र्घ र व ति ॥ य दा द म ल द रु वी
 ॥ द वा न ॥ र ती ये क व व न द व ठ न्ति सिद्धिं ॥ उ का ना इ नू व च र्म न
 ति वि (म) य र्म ॥ ॥ उ न ॥ अ का ना ल व न क न्ति र व ति ॥ अ
 न्ति ॥ द व न ॥ ॥ अ हि ॥ अ का न अ र व ति र का न य न ॥ द वा र्म ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible][illegible]

नमः शक्रपूर्वपद्मः शक्रादिकः

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

५

युव धान यि ना न्य ना । सर्व व । सर्व त्यां । सर्व ॥ ॥ चतुर्थ क वचन म
ब्रह्म ॥ ति स्ति ॥ ॥ सर्व द ॥ स्म ॥ सर्व देव का ना ना त्या न स्य ॥
त्ये न स्य स्म ज ग मा ह व ति । ॥ सर्व ॥ सर्व त्यां सर्व ॥ ॥ यं च
स्य क वचन सर्व ॥ ति स्ति ॥ ॥ सर्व देव का ना ना त्या न
स्या न ॥ स्म ज ग मा ह व ति ॥ सर्व स्मा न ॥ सर्व त्यां ॥ सर्व ॥ सर्व त्या । सर्व
या ॥ सर्व ॥ ति स्ति ॥ ॥ सर्व ॥ सर्व देव का ना ना त्या न स्य ॥
ह व ति ॥ सर्व । सर्व त्यां । सर्व ॥ ति स्ति ॥ ॥ सर्व ॥ सर्व देव का

၇၈

नाना ल्यानादिः स्मिन् रुवति । सर्वस्मिन् ॥ सर्वथाः सर्वेषु ॥ दसर्वः इत्
 र्वः । इत्सर्वः ॥ पुर्वं विष्णोर्दीनामक एवेत्येयं नानात्रयं नयं ॥ उत्तर
 तमीविद्यायतीत्यर्थः ॥ पूर्वो दीनाम् नवानां जसे श्रीकाशावावक
 यः । पूर्वः । पूर्वः । यत्र । यत्राः ॥ इत्सिद्धाः स्मास्मिन्नौ वावकयोः । पृ
 र्वस्मान् । पूर्वतः । पूर्वस्मिन् । पूर्वः । यत्र स्मात् । यत्रात् । यत्रस्मिन् । यत्रः
 र्वेत्यादिः ॥ यथेमयत्रमतया यत्तल्लाद्र केति यद्यने मानं जसोवा ॥ य
 थर्मः । यथसाः । यत्र मः । यत्र साः । मर्यदववत् ॥ तयायनीत्यर्थः ॥

कुलसामान्यशिक्षा

五

यस्य सर्ववदुषं हितं वा वक्तव्यं ॥ द्वितीयम् । द्वितीयाय ॥ द्वितीयस्मा
 ॥ द्वितीया ॥ द्वितीयस्मिन् । द्वितीयः । उर्वेत्तीयः ॥ उह गद निर्व
 द्विवचनाक ॥ उहो २ ॥ उहोर्त्वा ३ ॥ उहो ४ ॥ उहय गद स्य द्विवच
 ना लव ४ ॥ ॥ मासः स्या लोया वा । मास गद स्या काज स्य लोया वा लव
 नि स्या डो यन ॥ ॥ इ स य ४ स मी य ४ ॥ इ मा ना दी व ना ड्य यन स्य स
 लोया लव नि ॥ मा ४ मा स ४ मा सो ॥ मा स ४ मा सो ४ मा स ४ मा सो ॥ मा
 सो ॥ मा स ४ मा सो ॥ मा सो ॥ मा स न वि स न लो य ४ ॥ मा ल्या ॥ मा सो ॥ मा
 मा सो ३

रि०। मा० ॥ ॥ ॐ ह्यादि ॥ अ० का० त्रान० ४ यू० लि० ग० ४ सोम० वा० ग० ४ ॥ सोम० वा० ४।
 सोम० वा०। सोम० वा० ४। सोम० वा०। सोम० वा० ॥ व० व० व० न० सोम० वा० ग० सु० ति० मि० ॥ ॥
 अ० त्रान० वा०। अ० यि० ४। अ० पु० सर्व० नि० न० अ० का० त्रान० सो० वा० ह० व० ति० ग० सा० दो० ख० त्र० य० ॥
 सोम० य० ४। सोम० वा० ॥ सोम० वा० ह्या० ॥ सोम० वा० रि० ४। सोम० वा०। सोम० वा० ह्या०
 मि० ह्या० दि० ॥ ॥ अ० त्रान० वा०। अ० यि० ४। अ० पु० सर्व० नि० न० अ० का० त्रान० सो० वा० ह० व० ति० ग० सा० दो० ख० त्र० य० ॥
 ४। द० सोम० वा०। द० सोम० वा० ४। अ० त्रान० वा०। अ० यि० ४। अ० पु० सर्व० नि० न० अ० का० त्रान० सो० वा० ह० व० ति० ग० सा० दो० ख० त्र० य० ॥
 ॐ का० त्रान० ४ यू० लि० ग० ४ सोम० वा० ग० ४ ॥ सोम० वा० ४।

加

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १॥ २०

[illegible]

श्रीसाहस्रनाम॥ ८८

॥ हानू हि ४॥ हानव ॥ हानू त्याम् ॥ हानू ह्य ४॥ हानो ४॥ हानू त्याम्
॥ हानू ह्य ४॥ हानो ४॥ हानो ४॥ हानू नी ॥ हानो ॥ हानो ४॥ हानू य ॥ स
सि गदस्य रुद ४॥ ॥ सज १॥ ४॥ ससि गदस्य सत्र ४॥ सज हिव नि ॥ डि त्वा
टिला य ४॥ सखा ॥ अ ॥ ४॥ त्रि हि वि ॥ ४॥ षष्ठी दका ना वि विषया द
सख ॥ ॥ सखा ४॥ ससि गदस्य काना द ॥ ४॥ हव नि यं व स व न
युः षष्ठी नि दि द्वा द ॥ ४॥ क द न ह्य रु य ४॥ ॥ जया द ४॥ ४॥ सखा
यो ॥ दि व य न ह्या वा क न सि ॥ सखा यो ॥ सखा य ४॥ सखा यं ॥ सखा यो ॥

स
सखीन् ॥ ॥ सखि वयात्री क ॥ सखि यति गद यात्री गगगभाहवति ॥
दोः दुदि ययने ॥ ॥ दीर्घ लो नान हवति ॥ ॥ सखा ॥ यथा ॥ जूग
मजु निर्य ॥ सखि ना ॥ यति ना ॥ सखि त्याम् ॥ सखि लि ॥ सख्य ॥ सखि
त्याम् ॥ सखि त्ये ॥ ॥ सखि ॥ सखि यति गद यात्री गगगभाहवति
दसिद साद कात्रयने ॥ यत् सख्य जूम् ॥ तिहि ॥ ॥ सखि ॥
उ॥ सखि ना नात्यनत्यदसिद साद कात्रय उका ना द ॥ ह
वति सच डि ॥ सख्य ॥ सखि त्याम् ॥ सखि ॥ सख्य ॥ सखा ॥ सखी

२५॥ सा ग सा नि ॥

य

नां ॥ **सकम्ये कवचनद** त्रीति थो कात्र कृत् ॥ स खे य थानी क र्णति
आः गमा रुव ति ॥ स खी स खी ४ स खि सु ॥ **यति गदु स्य** पुथ मा द्वि
नी य यो इ ति ग द व च्यु कि या ॥ **रुनी** स्या दी स खि व द्द क वा ॥ यति न स
मा स न व स खि व द्द क य ४ ॥ **न न ४** समा सा न स्य ना द या रुव ति ॥ यज्ञ २१
यति ना । यज्ञा य न य ॥ यज्ञा य न ४ यज्ञा य ती ॥ ॐ स्वा दि ॥ द्वि ग द
नि र्थ द्वि व च ना न ४ ॥ द्वि डी ॐ ति ॥ **सि र्ग** । ग द द र्द न ४ स्या दी ॥ य
दा द र्द न का ना रुव ति स्या दी य न ॥ **दी २ ॥** दा त्या म् ॥ ३ ॥ **द्वे ४ ॥ २ ॥**

त्रि ग द नि र्थ व द्द च ना न ४ ॥ **त्रि डी** ॐ ति सि र्ग । न डी क सी थो कात्र कृत् नूया
द ग ४ य य ४ ॥ **गी न** । रि रि ४ रि र्थ ४ ॥ २ ॥ **त्रि य द्द** । रि ग द स्य नू य दा द र्द न
व ति । ना सि य न । दि द न स्य व क य ४ य य ४ ॥ **त्रि य** ॥ कति ग द नि र्थ व द्द
व च ना न ४ ॥ **क र्ण** ॥ क र्ण ना य न य ४ ॥ **सु सी** ॥ सु र्ग व ति ॥ कति । कति
कति रि ४ ॥ कति र्थ ४ ॥ २ ॥ **कती नी** । कति य ॥ न व य ति ति ति । रि य वा र्थ स्रू
य ॥ ॥ **ली** का ना न ४ **यु र्गि** ग ४ **सु गी** ग द ४ **सु गी** ४ ॥ **स्वा** द्वा ति नि य वी ख न
॥ **धनी** ती का ना कात्र या त्रि य वी रुव ति ॥ **स्व** य न ॥ **सु** य यी ४ **सु** य यी ॥

५

कान्हा कान्हा

[illegible]

२२

२५॥

दिनांक दाखु ग ६३

ਗੁਣੀ ੩

[illegible]

73

२ श्री साग्रसि ॥
द्र

३

८

[illegible]

उका नान ४ युलिं (गम मूत ग वृ ४) ॥ नेमि ॥ ने ४ वृ ४ का न व द (गम
रु व ति स का न र का न दो विर को य न त ४) ॥ मू र्ज ४ ॥ ॥ सु ना दो स ४ व जा या
द ४ ४ ॥ मू ना यो ॥ मू ना य ४ ॥ रु मू ना ४ ॥ मू ना यो ॥ मू ना यो ॥ मू ना य ४ ॥ मू ना यो ॥ मू
ना यो मा ॥ मू ना रि वि ला दि ॥ ॥ उका नान ४ यु लिं (गम मू त ग वृ ४) ॥ ॥ उ
ना ४ उका नान ४ का न दो (गम रु व ति ॥ वृ च मू य न वृ ॥ (गम ४ ॥ गम वो ॥ गम व ४ ॥
द (गम ४ ॥ रु मू ना यो ॥ रु मू ना य ४ ॥ ॥ मू म ४ मि ॥ उका नान ४ वृ च मू य न वृ ति नू मि ४ मि
च य न ॥ गम मा गम ४ ॥ गम ४ ॥ गम नू कू च य मि ॥ गम नू ॥ गवा ॥ (गम त्या मा ॥ रु ना रि

[illegible][illegible]

श्रीगणेशाय नमः

श्री
स

दशगती दीर्घार्थ ॥ स्वस्व शब्द स्वकर्तृ शब्द वल्य किया ॥ स्त्रीलिंग त्वा न त्वा रा वा
वि (गव धा) न काना न ॥ स्त्रीलिंग (गव शब्द धा) न स्वस्व शब्द वल्य किया ॥ ग ॥ नाथो ।
नाथ ॥ (गव शब्द स्वस्व वल्य ॥ (गो ॥ गव ॥ गव ॥ गो शब्द स्व (गव शब्द वल्य ॥ गो ॥
नाथो । नाथ ॥ ॥ नित्य स्वरा ना ॥ स्त्रीलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ॥ ॥
ग ॥ शब्द ॥ न ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
वचने ॥ न ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
लोचन ॥ न ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥

मो ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
सकलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
स्वयं कव ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
रा नाक स्व नय ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
पद्म नय नय ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
वदित ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥
॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥ ॥ अथ स्वरा ना ॥ नयं स कलिंग ग ॥

पुष्प

एवमिति ॥ अम नि कूलं ॥ ॥ स्वरा दो ना मि न ॥ स्व वंति नू मा ग म शौ अ म नी
 नि ॥ २ ॥ **ग** द क क र्यं र्यं व द ॥ उ क र्यं र्यं ना म न न य म क लिंगं द दो म व
 य र्यं व द ए व नि ॥ न म न म्या मि दी र्य ॥ अ म म ॥ अ म नि ना ॥ (ग र्यं पृ व व त्वा
 सा म र्यं कूलं ॥ सा म य ॥ सा म यो नि ॥ ३ ॥ (ग र्यं द व व त्वा ॥ **उ** का **इ** ना न न र्यं स ३१
 क लिंगं (ग र्यं नि र्यं द ॥ ना य म नि कानं । नू नि मि कूलं ॥ ना व म नि का र्यं य कूलं
 ग द ति नू ज लं ॥ ॥ द स्वा द (ग र्यं क क ना ना मि का ना का ना व क क यो ॥ ॥
 उ का ना ना न र्यं स क लिंगं (ग म म ग द शान म्या यि स्व य य नू मा ग म शौ म ॥

म व नी ॥ म व नि ॥ २ ॥ उ का ना न ॥ र व ल य ग द य व लू व त्वा ॥ **उ** का **वी** क र्यं द
 द ॥ क र्यं ॥ क र्यं वी क र्यं मि ॥ र्यं दि ॥ (ग र्यं पृ व व त्वा ॥ ॥ **ग** ति स्व ना
 ना न र्यं स क लिंगं ॥ ॥ **अ** र्यं र्यं ना न र्यं लिंगं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ ॥ **ग** र्यं र्यं
 ना ना न र्यं र्यं ॥ ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं
 च स्य य र्यं ॥ ॥ **सा** व न र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं
 ॥ न स य द क र्यं ॥ स य र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं र्यं
 य ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥ **अ** र्यं र्यं ॥

शीसाजसगि॥
३

ॐ निषत्वा॥ क र्वे स्या (ग क ग) (म ध क) ॥ म ध लि ह न द्वा स्य ह द ॥ ॥
हो ह ॥ अ ता ह का य स्य ह त्व ह व ति मे म य व नाम ध व स य दाने च ॥ ॥
वा ये स न ॐ नि ह का व स्य उ का य ठ का यो ॥ म ध लि ह म ध लि ह म ध
लि हो म ध लि ह ॥ ह म ध लि उ म ध लि ह म ध लि हो म ध लि ह ॥ म
ध लि ह म ध लि ह ॥ म ध लि ह ॥ ॥ ख स च या म ता ना मि शि ठ का य ॥
म ध नि ह ॥ ॥ दू हा द वो ॥ दू हा दी नां ध नां द्य ह ॥ द च वा ह व ति ॥ मि
लि ३

७२ ३ × १ य म स्य ति मी व लि ग या ॥ समा स सु ति छि या व त्वा या य स्य स्य व ॥ ॥ यि य व च ॥
ध ज मि उ ध क मि उ ध उ मि उ ध ह मि उ ध हो मि उ ध ह ॥ ह मि उ ध क ह
मि उ ध ग ह मि उ ध क ॥ ॥ ॐ द्या दि ॥ ॐ व ग त्वे म ह द्य ॥ ॥ व ल न स व उ व द
म द्या नि ह व द व च ना न ॥ ॥ च तु य म (म) ॥ च उ न ग द स्या मा ग मा ह
व ति ॥ य च स व च य (म) च ॥ ॥ मि द स्या त्वे या य या व क य ॥ य त्व ॥ च त्वा
च ॥ च उ न ॥ च तु वि च व तु कृ ॥ २ ॥ न ॥ स र या या ॥ य ल न स र या या ॥ य न
॥ मा न ज ग मा ह व ति ॥ व ल ॥ दि त्व च ॥ च तु ध ॥ च उ ध ॥ ॥ न का ना ता
या ज न ग द ॥ ना य या या ॐ नि य व स दी र्घ ॥ ॥ ना मा ना ला य ग (म)
६ ह मि उ ध ॥ ॥

य य व च

मि

ग्री
क
॥ १ ॥

॥ नामान का प्रया ना ग म ज स लो य गृह्य ति न स य दा न क वा ॥ वा जा
जा जा ना । वा जान ॥ अ वि ति वि (ग व लो ॥ इ वा जा न । वा जा न । वा जा
नो ॥ अ वा य ॥ अ न ॥ अ का न लो य ॥ सा ॥ अ ति ॥ अ वि ति च ल न का न स
अ का न ॥ अ ॥ अ ॥ अ का न ॥ अ का न ॥ अ का न ॥ अ का न ॥ अ का न ॥ अ का न ॥
लो य ति य न न र्म वि ति ति निय सा द हि था ल न ह व ति ॥ वा ज ह्या । वा ज
हि ॥ वा रू । वा ज ह्या । वा ज ह्या ॥ वा रू ॥ वा ज ह्या । वा ज ह्या ॥ वा रू ॥ वा रू
वा रू ॥ वा रू ॥ ॥ वे द ॥ वा ज नि ॥ वा रू ॥ वा ज ह्या ॥ ॥ न र्म य द न स ॥

३०

॥ अ म न वा स न य द य ॥ ॥ अ म य इ का दि वि (न म लो द ह्या वा न ति ॥ य
द न श ये द ना । य द ह्या ॥ अ वा दि ॥ अ ल न ॥ अ ल न ॥ अ ल न ॥ अ ल न ॥ अ ल न ॥
॥ ॥ अ न य व न म य व न ग द ना र्म य स ना ज न ग द व य क्रि या ॥
ग सा ॥ दो तु वि (ग व ॥ ॥ अ द व ॥ अ द व ॥ अ द व ॥ अ द व ॥ अ द व ॥ अ द व ॥
सा दो अ न य व न वि त ॥ अ यि ॥ अ यि ॥ अ यि ॥ अ यि ॥ अ यि ॥ अ यि ॥
दि ॥ अ व न ग द व का न स्या ल व क न स व (गु दी र्म य न ग य न ॥ अ व मि
या दि ॥ ॥ अ व न ग द व का न स्या ल व क न ॥ अ व ॥ अ व ॥ अ व ॥ अ व ॥ अ व ॥ अ व ॥

॥ ३ ॥

五

मथा मियादि ॥ संख्या नवे ॥ यंच नु यरु तथा वरु वच ना नामि वरु नू
या यो वंच न जम ॥ तिहि ॥ उ म सारु क ॥ व का व न का या न संख्या
या ॥ यन या ॥ उ म सारु र वति ॥ लु कि ने न नि मि लं ॥ यंच ॥ यंच ॥ यंच रि ॥
यंच वरु रा ॥ ॥ व ॥ व का व न का या न संख्या या ॥ य न स्या म नू ज ग मी ॥
र वति ॥ न य क या ॥ ति दी र्घ ॥ न म्ना ना लो य ग ॥ ॥ यंच नां ॥ यंच म् ॥ ॥
व स फ नू न व नू द ग नू यरु तथा ॥ ॥ वृ न्ता जी वा ॥ वृ न्ता न द्य त्य

三

[illegible]

स्य २ दश २

४३

[illegible][illegible]

८३

किं न ॥ ज्मया ॥ ज्मा ॥ सा मा ना ॥ अद स शा क सा दि व ॥ ज्म क भ च क ना न
 ज्म के ॥ ज्म क ॥ यं सि सि या च ज्म की ॥ ॐ गि रु सा ना ॥ यं लिं ग ॥
 ज्म थ रु सा ना ॥ मि लिं ग ॥ म्म रु द का ना न् उ या ने ग्म द ॥ न ह ॥ ध ॥ न ह ॥
 ह का न म्म ॥ व र्ण व गि न म्म य दा क च ॥ द र्ण व र्ण च ॥ उ य न द ॥ उ या न
 उ या न ह ॥ उ या न ह ॥ ह उ या न द ॥ उ या न ह ॥ उ या न ह ॥ उ या न ह ॥
 उ या न ह ॥ उ या न ह ॥ उ या न ह ॥ ॐ या दि ॥ व का ना ना दि व सें ग द ॥
 ॥ दि व ॥ ॥ ॥ य म दि वा व का र्ज न म्म का ना द ॥ ग्म र व गि ॥ यो ॥ दि वी ॥

५॥ सा न ह नि ॥

非

五

[illegible]

私

यु३

[illegible]

५॥ सा नमो मिश्र ॥

五

四

62

क०

॥ व्यादि ॥ जगिषमदः ॥ सुखमदः ॥ वन ॥ स्त्रीलिंगस्यादमनदस्य सो न
 वि ॥ न व ॥ द्विदचना दो ॥ वल्ले कने ज्वेन ॥ मियामि त्याष ॥ दो दो ले वि
 एकिकार्य ॥ यम्भमादः ॥ निदायस्य दीक्षा का न ॥ भेम् ॥ जम्भ ॥
 जम्भ ॥ जम्भ ॥ जम्भ ॥ जम्भया ॥ जम्भ्याम् ॥ जम्भिर ॥ जम्भ्य ॥ जम्भ्याम्
 ॥ जम्भ्य ॥ जम्भ्या ॥ जम्भ्याम् ॥ जम्भ्ये ॥ जम्भ्या ॥ जम्भ्या ॥ जम्भ्याः ॥ जम्भ्या ॥ जम्भ्या
 म्या ॥ जम्भ्या ॥ जम्भ्या ॥ ॥ निहसाना ॥ स्त्रीलिंग ॥ ॥ ॥ ॥ जम्भ्या ॥
 सानानयसकलिंग ॥ ॥ नयसकलिंग ॥ नयसकलिंग ॥ नयसकलिंग ॥ नयसकलिंग ॥ नयसकलिंग ॥

सूत्र

सु १

न १

न त्वं कृते न सा नि दी र्य त्वं ॥ ॥ न सा ना व क य ॥ य यो न्मा न् ॥
 ॥ त्वं न दा द (म कृते न क य ॥ ॥ न दा द ॥ य य द स दा द न त्वं
 त्वं नि ग दि ॥ त्वं न य ॥ य न य ॥ त्वं य ॥ म य ॥ य द त्वं म ॥ न दा त्वं
 म ॥ य य नि ॥ न सा नि ॥ ॥ त्वं म द द य ॥ द स हि त यो र्य य द
 म द त्वं म द ॥ त्वं न दा द (म कृते न क य ॥ ॥ त्वं ॥ म द ॥ य यो त्वं
 म ॥ न दा त्वं म ॥ त्वं म द स ॥ य य द स दा ॥ य न त्वं म द स वे नि ॥ म
 को न त्वं न दा द त्वं त्वं य य ॥ न ना त्वं न त्वं न त्वं ॥ य य त्वं म ॥

॥ न सा नि ॥

न १

न १

सु १

७ ८

१

न सा नि ॥ ॥ द हि त्वं म ॥ ॥ य य द स दा ॥ य य द स हि त्वं म ॥
 त्वं न दा द ॥ न क य ॥ द न ॥ य ॥ उ क य ॥ उ क य ॥ त्वं न दा द ॥
 य य त्वं म ॥ न दा त्वं म ॥ य य त्वं ॥ न सा नि ॥ ॥ त्वं म द स ॥ द स हि
 त्वं य य द स दा ॥ त्वं म द स ॥ त्वं न दा द (म कृते न क य ॥ ॥ त्वं ॥ म द स
 ॥ न दा त्वं म ॥ त्वं न दा द त्वं ॥ ॥ न सा नि ॥ य य द स दा ॥ य न त्वं म
 म ॥ न क य ॥ त्वं न दा द त्वं ॥ त्वं न दा द त्वं ॥ त्वं न दा द त्वं ॥ य य द स
 य य म ॥ न सा नि ॥ ॥ त्वं न दा द त्वं न दा द त्वं न दा द त्वं ॥ ॥ य य द स

५

५

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

दा ४ वरु च लु धा दिनी या रि सु मं वा नो व सु सो ॥ य अ द स दा र य ता म
 आ द ४ म र यं ति ॥ की द न या ४ व रु च लु धा दि या स दि न या ४ म र यं क
 व च न न सु ह नं म र व त ॥ दि व नं वा नो ४ व द य न न व म न सो ॥ स्वा
 मी नं सु स मा या त ४ स्वा मा म सा यं ग त ॥ न म सु र ग य न ह यो द हि म मा
 न म य य ॥ ॥ स्वा मा या सु ह मा ४ व द य नो यं न या च ने ॥ या डा वा दा स
 तं या न ॥ न नो म ४ द न ॥ ॥ दे वा वा स ना वि द्य ॥ न य का नो ज ना र्द न ॥
 स्वा मा वा य ल ॥ नो जा स्वा मा नो सो ज ना र्द न ॥ ॥ न मा वां व य वि द्य ॥

तव ४ यमा की १ २ आ वा ३ य व था ४ ५ ६ सा क य वा ७ ८ व वा यो ९
 १ २ ३ ४ म म ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२

आ वा २ म क ४
 १ य मा यं २ य वा ली ३

७२

जस (१)

जस (१) यं १

स्वा रूप न नो दी य ता व न ॥ सा न दा ल ४ य य ४ स्वा मा न ४ सु द वि द न ॥
 ॥ स्वा मा मा ॥ ज मा सु दि त या य अ द स दा र य ता म ॥ ४ य ता वा द ॥ मो रु व
 न ॥ य ४ मि स्वा म दा ली रु य ॥ य मा सु द रु द क ॥ य ४ मि उ ग लु ४
 य ४ मि उ ग लु य ति ॥ ॥ नो ॥ य दा दी य मा न या य अ द स दा नो न
 ज द म र व नि ॥ न डा वि ॥ य ४ वा द वे य ४ क क न द य ता सु व य
 ह ग वा ॥ य ४ क मा क या य ना म नं ॥ न व ये ग रु वा या उ न म न य ति
 म र व ॥ सु मा व न य दा द ॥ न रु व नि य सा द य ॥ वा दि रि य ॥ वा

ना २
 मा ४

ग ३

५५

कात्स्न्यार्कसाह॥ नाजाया नी॥ ना जसात॥ र सम्य॥ र ससात॥ ॥ उर्य
 न म्यं न क न॥ उवा क य॥ उव यो क य॥ सद्य ज्ञादिका ते नि या थैः
 ॥ सद्य ॥ अद्य॥ स यदि॥ अ धू न॥ ॥ दाना सयति॥ साय ॥ यूर्ध्व द्य ॥
 य न द्य ॥ अ न द्य ॥ ॥ यदि॥ यदि न हि॥ अति॥ ॥ यदि ॥ ॥ यदि
 न य म र्म ॥ य य न॥ अ य स म॥ अ न॥ अ व न न॥ इ न वि॥ अ द नि॥ अ वि॥
 अ यि॥ अ ति॥ सु उ त॥ अ रि॥ य ति॥ य वि॥ उ य अ न॥ अ न॥ अ वि॥ अ न॥
 य म न॥ य स म र्म स र व ति॥ ॥ या म्म न ॥ ॥ दे य स म र्म ॥ या म्म न ॥

२१

४

नं३

पु या क य ॥ ॥ न द य य ॥ त दि द न दि म दू पू य म य य म र्म र व
 ति॥ ॥ अ य च॥ अ दि य य या न म दू पू य म य स र्म र व ति॥ अ
 वा क ॥ ॥ अ य या दि र क र्म क॥ अ य या ल य स वि र क र्म क
 र्म ति॥ अ य या न न च लि म दि नि म र्म ॥ ॥ उ क दि॥ स द म ति य
 लि म य स र्म र व र कि य॥ च स र्म र य न य म र व न द य य ॥ ॥ उ
 क न य लि म न य य नि म र्म लि म वि॥ म य वि डि स य यि य य
 को य य या ॥ य स र्म र न॥ ॥ अ य म र्म य सि य ॥ ॥ अ य ॥ म य

व३। न म र्म

य

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

मङ्गलम् । शुद्धामाला । अत्र ॥ ॥ ॐ स्वादि । अजा दम्बाय व क य गा अ ।
 । अदंका । का किला । वा ला । गु ड म ग न लिका ॥ ॥ सा गिरु ला को ॥
 य ग गा का यि ॐ अ नु ॥ मि या का यि य न य व स्या का य स्य का य
 द (अ ह व ति) ॥ को लं का । या चि का पु या रि का ॥ ॥ व सि हा उ पि नु ॥
 व म वा या नृ य स ग्न या ॥ ॥ अ य च व द सा ना ना य था वा चा नि ॥
 दि ग्म ॥ अ व ग्न द्य । य ग्न द्य । अ वि अ नं । दि अ नं ॥ ॥ दु स्र या ॥
 मि या का वि न ना दो व द्वा स्र दु स्र दा ह व ति ॥ व मि को । व ना को ॥

२३

य२ का मा ३

या २

नदि का । न दी का ॥ (अ य सि त रा) ॥ (अ य सी त रा) ॥ ॥ नो का दो नृ ह व ति ॥ वा य
 ह न द व नि श्व य नृ न कं य (थ वि ति नि कं) ॥ ना ना म न का र्थ लो न ॥ ॥ नृ
 ॐ य ॥ न का ना ना द नं ना द्र क्रिया सी य य या ह व ति ॥ द नि ना । द नि नी ॥ क
 रि ना । मा लि ना । ॐ पि ना स्त ॥ ॐ पा व क य गा या स्त ॥ गु ना म या ना । क ली । ह ली
 ॥ डी य ग वी ॥ ॥ य ग्न ला य ॥ ॐ अ नृ अ य ॥ न स्र ला या ह व ति स्र अ य का च य
 व ॥ ॥ द्वि त ॥ अ का च ठ को च उ का च ज का च त्र व अ य मि या सी य य या
 ह व ति ॥ अ व का ठ कृ य य या ॥ (अ म ना ज ह व ती) ॥ अ व का ॥ ॐ स्वा दि ॥ न दा द ॥

जय

५ २ मातु मया कथयतां श्रुत्वा नीय ॥ रुचिगाम्नी च यथा ॥

वाउ सोमाउला ॐ नी ॥ उया थमयानी ॥
 कुडिजानीजी ॐ ॥ आचार्याजी ॥ रु
 डिज ॥ आचार्या ॥ x

यथ वाक्ताला॥ अथ यथा यथा वचनं हला॥ अथिया वेत्ता॥ यथमयथाः
वाचिनां श्रुती यथा वचनः॥ कृष्णानां किं ज्ञाना॥ कलशः॥ यथा यथाः॥
यथमयथा॥ दद्यात्॥ अथिया॥ अथ हला चिह्नं॥ अथ दद्यात्॥ अथ गवाचिनां
वाचिनामीयथा यथा हला॥ अथ मूला॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥
दना॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥
अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥
अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥ अथ गवाचिनां॥

५१

亦

कर्म कर्म चक नमः ह्युक्त नत (ये) वव। अथा याना विरु म (न)ः अथा दू का न का निवेत् ॥ ४

मो वा ४ (अ) नै नै व' या प्र ये न' व' ना व' का ॥ अ नो य न' व' जा नै इ' मे सी ये क
न' जा' नि गो ॥ ॥ अ म नु (व) व ॥ अ रि मू र्वा क व (व) (थ) यि य थे मा वि रु कि
रु व ति ॥ ॥ मो सै मू ड व' (ने) वि दः यु हो द' य व म' श्र व' । क मो यो सै व' मो सा
थ' न मे य' हो रु यो सि न' ॥ ॥ हा ह' र' (म) स जू थ स' न' न' द' नि या व
न' वि वि व य ॥ के मे स' हो इ' ना नो थ' र' (म) सु' थ न' मे' मे' न' ॥ अ थो व' हो म हा
यू रू धा न' या थो' स य स' व' ॥ ॥ स' वा ४ का यो क र' स' व' न' या द' न' या न' वि (म)
वा व' (म) स' म' अ' ज' वा ज' रा व' या ॥ (म) वा वि रु क' या दि नी या द' न' व' (थ) व' र'

२२

३ ग दा ॥ ३ म ॥ क १

३ य न ॥ व ३

व नि ॥ ॥ का य' न' का व' क' उ' त्या द' अ' थ' स' का य' वि का य' व' दि नी या' वि
र' किं' र' व' ति ॥ य' द' र' ता' रा वि न' द' त्या द' य' सि' दु' म' व' या' य' न' त' द' या' य' ॥
य' न' गु' वा' अ' न' ला' य' क' र' वा' कि' य' न' त' स' क' र' य' ॥ य' व' व' स' य' वि' या' (न)
ना' व' स' न' व' या' कि' ४ कि' य' न' त' दि' का' थ' ॥ क' ड' द' अ' ति' का' व' का' र' य' य'
ग्य' ति' या' र' व' ॥ य' र' द' या' थो' ति' थ' मि' थ' ४ थो' स' सु' ना' ति' सा' मे' या' ॥ ॥ अ' रि
स' व' न' सा' ४ का' य' वि' रु' य' य' दि' व' वि' ॥ दि' नी' यो' मु' ति' ना' क' व' न' ना' न' य' वि' दे' य'
ति ॥ ॥ अ' रि' ना' गु' म' न' व' ह' ति' स' व' न' गु' म' n' व' द' द' ग्य' न' ॥ वि' (म) द' व' द' रु' ॥

उपयययत्रियुवाहि नया च काऽयानि ॥ अथावा अमं नि वि ॥ अथ विः
 अमं तीर्थ ॥ अथ वि यो वं गं कु लि मं ग ॥ स मया अमं गं हं दं शानि कवाः
 अमं रु लं युव ॥ य त्रि अमं य दान ॥ हा अमं का ला ध ना नै व क र्थ यि ॥ मा
 सम शो नो का मं य दान ॥ ॥ क र्त्तु पियु धान क्रिया गय सा धन च ॥ क्रियाः
 सिद्ध य का व कं क र्त्तु (१) र्थ ग मा यां कि र्त्तु व त्रि ॥ ॥ रि नै गं य न ना मं ल
 वा वं लं या क वा व ल ॥ क वा (२) न वि दो (३) यि वान जे य दान य न ॥
 ॥ दान या गं स यु दान का व क र्त्तु थ ॥ वे द वि द ग च दा नि ॥ स मं श्री

०० श्री ॥
 न श्री ॥
 य दान ॥
 वि नै मा स मं वि ॥
 वि नै मा स मं वि ॥
 वि नै मा स मं वि ॥

सा वि मं ति ॥

व

४ मासं क त्या नी ॥ को स क त्या नी ॥ मासं रु द ध ना ॥ नै व क र्त्तु ॥
 ४२ का सा ध ना ॥ कि या गु ल द र्थ ॥ सरु नि रु क र्त्तु स र् ॥ ४३ उ य त्रि ग्ना र्थ दि ती या

न (१) या द द्या य सै सं य दान ॥ यथ ॥ द दानि द लु य च ॥ म हि न र्त्तु वा नि रु क्त्तु
 न र्त्तु दान का मा या यि दी य न वा स न या स या गं न सं य दान क र्त्तु न क र्त्तु न
 शा या द द नु द दानि ॥ न ज क र्त्तु य क र्त्तु द दानि ॥ ॥ द्या दो स य दान क र्त्तु का
 ला वा न र्त्तु थ ॥ द्या य क र्त्तु द दानि ॥ ॥ यि (२) या व (३) यै व मि ॥ वि (४)
 या वि ल ग र्त्तु या ॥ इ व यि म्भ न न या अ च ल न या यो वि क र्त्तु न रु क्त्तु या वा
 न र्त्तु र्त्तु ॥ ॥ अ व ना इ व द य न ॥ रु र्त्तु न इ व न र्त्तु गि र्त्तु ग ॥ ॥ रु द
 रु द क था र्त्तु (५) रु द का रु द्दी ॥ स र्त्तु (६) रु द्दी ॥ हि स व न गं ग य रु द नि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

ॐ

ॐ

तत्रैतः यत्र वा रुच्यं यिषां नैव त्वं योजनं ॥ यत्र नमः सच नैव यथं कथं न
प्रसवद्वयं ॥ ॥ आ वा यमकमी ॥ आ वा वा वि क ज न ॥ य वि व म वि क
ज न ॥ ॐ य (म वि क) ॥ सा मा यि क ज रि या य क ॥ वै व यि क ॥ नै मि लि
क ॥ ॐ य वा वि क य ति ॥ ॥ क ठ (म नै क मा वा सो व ठे स मा य न् न य थः
व ठे ग व थ (म य न) मि ले व वि क नै ल द दि व का म नै य न ॥ यि दे स नः
क नै वा वा ॥ ॐ य (म) क रि न न ॥ ॐ व ॥ कि या ल क ल व या पि म क मी ॥ ॥
व व रि द व यो व ज्ञ या न वा य नै व सु मा लि नि य नि ता ॥ न मि ॥ काल ॥

ॐ

ॐ

यि स क मि ॥ य म न क किल ॥ स व क य मि ॥ ॥ वि ना स द न म न नि द्रु नः
न स्या म्या दि रि म्वा ॥ ॐ नै यि (था) (ग दि मि या द्या वि र क या त व मि ॥ वि नै या
य स व र ल ति ज न व ल कि ना किं जी वि न न ॥ ज न वा ली मा म धू न् न्या दि य द्वा द्वा
ॐ ॥ ॥ स द स द र्श सा क सा द्वा स मं या (ग न न) या ॥ स द नि स न ग न ॥ ॐ नू ॥ सः
द न् नै नै नै न ॥ सा क न य ना र्श ॥ ॐ द न् न ॥ सा द्वा नै रि द्वा न ॥ सा व ॥ ॥
स मं य डे (ली) दि नां ॐ नू ॥ ॥ न म ॥ स रि सा दा स व ल म्ब व द्वा (ग व नु र्था
॥ ॥ ना मा ना ना य ना य ॥ स रि ना र्श ॥ सा मा य सा दा ॥ यि न् न ॥ स व ॥ ॐ नै

श्री गणेशाय नमः

म

महोमनाया॥ वषट्ठिद्याय॥ पनया॥ जयं वमी॥ पनया नानमकि शाज्जना गः
हादिह न॥ ॥ निद्राव लेष्य निद्रा नत क्रिया गुणजाति शिः समुदाः
यास्यथ केन न नगु वषट्ठि॥ विहकि क्रिया यवान रगवे दा वा व क शा ॥ ॥
॥ गवां य्वा (गो) ॥ सुयत्र काया॥ ॥ नमो भूयः ॥ ॥ नमः ॥ सा मादिथा (गमः
सा संकमीय। गवां सा मा। गवां स विद्यति ॥ (गमः) सा मा। (गमः) विद्यति ॥
कर्तुं कायाया व को दो कति वषट्ठि॥ कर्तुं कायाया वषट्ठि रवति ॥ कादि व विगः
कृदने ग वृष्टि युक्तानि॥ वासस्य कृमिः ॥ एव ग स्य वषट्ठि॥ सवनी च कार्य
४ कृ॥ ६ सकमी॥

२६

३०

३ कि ३

वषट्ठि॥ मातु ॥ सवति ॥ मातु न सवति ॥ हतो गृहा यायं वमी ॥ वव क व ॥ वृनिय
॥ गव ॥ कत क लेन ॥ कत क लेन ॥ हय ह तो व वमी ॥ यो नादि रति ॥ वाः
या क सति ॥ विद्युत्वा ता वृकं त ॥ ॥ वषट्ठि ह व यो ज ॥ क स ह ना वि यं क
ना ॥ न व स ह न ॥ व सति ॥ ॥ हं ला व व नी या ॥ नि यं वृ य न य स्थ ति ग ॥ स स
स सारं न य स्थ ति ॥ ॥ या गो य ना व वि का न ॥ य ना (ग ना मि ना वि का या
ल क न स्या दं ग क ती या वि र कि र व ति ॥ ॥ ॥ भू का का ग ॥ वा द न वं उ ॥
क (वृ न व वि र ॥ क स न वं लो न ॥ ॥ ॥ नि क र ॥ य कि ति ॥ जा य मा न स का

२२

[illegible]

भुक्तिकामाद्यदिनायाहयनामर्थः ॥ ३

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥

[illegible]

५३ वक्ष्यते (धिया वक्ष्यते) समानं च ययुर्वयदा लावयिया वयः सा यया लासं रुकः तमा

॥ १ ॥

[illegible]

४

[illegible]

132

४९

॥ समाप्तं सति न (अनादत्तं) एव निश्चयं ॥ अष्टादश्यां न ॥ ४॥
 धर्मविबुद्धाः धर्ममयं हलाशावाः इह नति नि ॥ नदन्यतद्विबुद्धमदलाव
 ष्ठने च वरुते ॥ ॥ चार्थद्वयं ॥ समुच्चया ल्याचयं न प्रत प्रथमा समाह
 नोऽप्यथा ॥ गणैः स्वयं उच्यते ॥ उच्यते नित्यं कर्म क किं नि सर्वं ॥ समुच्चय
 समाप्तानां ॥ यथा हि कर्म मने गम ॥ नथ नि कर्म न किं यादय सर्वं ॥ ल्याचयसः
 माप्तानां ॥ यत्र स्य यमसम्यक् ॥ ॥ नित्यं न वत नथा (गसमाह यत्र यः
 (र्थद्वयं ॥ समाप्तं एव नि ॥ द्दं इत्येव प्रयुक्तं न का वा का ना नूं नायुर्वनियामं व

॥

[illegible]

四

५१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

521

पृष्ठ २

शुभं शुभं पुनः पुनः ॥ २

यः ॥ ज्ञानं च कृष्णं च यत्नात् ॥ ज्ञानं कृष्णं च यत्नात् ॥
 ज्ञानादिना विरक्तिं लाययुर्वयदस्य स गगनावर्कं यः ॥ अन्त्या न्यायनस्यः
 यः ॥ ॥ एकं च द्विगुद्विगु ॥ एकं च यत्नं मानो द्विगुद्विगु नयस कर्त्तुं (गोत्र
 यत्नः ॥ संख्या दृष्टि द्विगु ॥ संख्या दृष्टि ४ समासा द्विगु त्रिगु यत्नः ॥ सः
 माहात्रं ज्ञानं च यत्नं द्विगु ॥ समादाया (र्थ द्विगु ४ समासा रुवति । ततोऽ
 कानादीयस्य यो रुवति ॥ ॥ यत्नं साय ॥ द गगनां यो मा भं समादाः
 नादयः गगनाः ॥ ॥ यत्नं ज्ञानं ४ समादा नो र्ति यं यानि ॥ यं चानां गवा समादा
 गजा गवा । या हि वार्द ॥ ४

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥

५२

५४३२

अथ हि सायकृन्नायवगः। यामित्याय ॥ बहवः कर्त्तव्यास्तस्य वदन्तु कर्त्तव्या
 यागः॥ याज्ञिकः॥ याज्यः॥ ॥ कर्मविषयमुक्त्यार्थः॥ यद्वदन्तुमुक्त्यार्थः॥
 उक्तार्थानिष्टमिति कर्मविषयः समाप्तवदिति॥ नीलचक्र इत्यलं वदन्ति नीलाय
 त्वं॥ यकावाभीनगा वदन्ति यकलगा॥ यमांश्चभी का किलयः॥ चनियंस्तु किलः॥
 यमः॥ यथार्थं स्यात्मानुष्यालाया वक्तव्यः॥ ॥ नाभश्चकृत्तसमाप्तः॥ यादव्यः
 मर्मस्वनामन्वकदन्तसहसमाप्तस्त्यन्वारावदिति॥ यद्वदन्तुमुक्त्यार्थः॥
 ददन्तु कर्त्तव्यानि॥ कर्त्तव्याः॥ ॥ सहादः॥ सादिः॥ समाप्तमिति सहादीनाः

२ शिवाय निवृत्त निरि सुविद कृत्तं वद वाच लवेया वि १ जं धस गति त्राद (५॥) गव नि २
कनेर्य ३

॥ श्री सायनाय नमः ॥

तव नि ॥ माना यिन त्रो ॥ द्वे दस वा दिव सा वि लो ह म न र ॥ व र्त्तु म न त्रा शा
वेयं विक त्र (॥) व द्वा दो म व य द ला य च ॥ कं म द स्य वा न्ध व ग (॥) य
स स क म द ग वि ॥ उ य य द ग न्ध दि का त्रा व क्क वा श रं स म ग म न सि व गः
म नं य म्मा ॥ सा हं स ग म नी ॥ ॥ दि क सं र य स र्वा य ॥ दि क स र्वा ग यो मः
रू या सि व थ य न य द नु ल्या (॥) स म स म ॥ स म स म च नू थं त व नि ॥ अ वि यः
हा नि व स मा स ॥ अ न्ध स म य द वि द्वा यि ॥ द कि न्तां जि ॥ स य द मा ॥ ॥
॥ कृ नि स म स य दि या ॥ ॥ अ य न द्वि ना न नू य ग ॥ अ य ल ज ॥ ना म्ना य व

५०

ली २

न

॥ यं जितुं यथा गतं नि ॥ स य (॥) सा य य म नि वा क्क ॥ उ य (॥) अ ल वृ मि मि न ॥
स मा म य न्ध य था नि नि व र्त्तु ला य ॥ का त्रा व द्वा र्थ ॥ ॥ अ दि स त्र य दि मिः
च द दि ॥ स य र्त्तु म व य ज दि स त्र स य व दि र्त्तु नि वि नि नि नि च न दि न
य व न ॥ उ का त्र स य उ का त्रा व दि ॥ ॥ वा य स त्र ॥ उ क त्र स य उ का त्र स य च अ य
र व नि य का त्र स य य य य य य य ॥ क स वि द्वा न स म थ न न ॥ द मि ॥ जोग मे
॥ अ उ व नि ॥ मा र्ग श व स का त्र स य उ र्त्तु व नि य य र्त्तु मा न्ध न ज य र्त्तु वि नः
ज मा ना ज मा उ य य ॥ मा उ न शं ज न वृ नृ थ ॥ अ का र्त्तु ना ना म्ना र्त्तु वि श द्वा

॥ द व द क स्या य र्त्तु ॥ ॥ २ य म्ना ना म्ना नि च व न द स

五

[illegible]

इव तु गच्छ सव का नला धा रव निग द्वि नय न ग ह य णी थो व न यो न वा ॥ ३

* श्री २

विना वन ॥ क्रिया सिद्धाय ॥ इव तु न्यायं स्यात् ॥ गुणानामपि विना विदो वैष्णवाः
गमो विदोऽपि न ॥ गमिदं गम्यं कलायदिनं कृत्यं ॥ लोदीयं मदीयं ॥ च
तु नमस्त्वलायाय यथो ॥ गुणानामपि विना विदो वैष्णवाः ॥ अथ सव द क ॥ अथ दिव्यं ॥ अथ उज्ज्वलाय
॥ कावका क्रियायुक्तं ॥ कावकानन्दयामयुक्तं यो ह वक्ति क्रियायुक्तं कर्त
वि कलमिदं क्रियायुक्तं ॥ कर्तुमनुरक्तं कर्तुं को कर्म ॥ मथवाया भागभासाथ न ॥ अथ
मथवाया भागभासाथ न ॥ अथ वद नीति ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ ॥ कर्मयका ॥ कर्त्तुं न लीय
॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥

* नि १

इव तु न्यायं स्यात् ॥ गुणानामपि विना विदो वैष्णवाः ॥ अथ सव द क ॥ अथ दिव्यं ॥ अथ उज्ज्वलाय
॥ कावका क्रियायुक्तं ॥ कावकानन्दयामयुक्तं यो ह वक्ति क्रियायुक्तं कर्त
वि कलमिदं क्रियायुक्तं ॥ कर्तुमनुरक्तं कर्तुं को कर्म ॥ मथवाया भागभासाथ न ॥ अथ
मथवाया भागभासाथ न ॥ अथ वद नीति ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ ॥ कर्मयका ॥ कर्त्तुं न लीय
॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥

२ क विनय का नला धा रव निग द्वि नय न ग ह य णी थो व न यो न वा ॥ ३

२ यो यो र

कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
नथ निवृत्ति न ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
या ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
तथा वैदिक क्रिया ॥ नार्किक ॥ अथ न ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
तनीयुक्तं अथ न ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
न ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥
यथा न ॥ अथ यथा ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥ अथ न वक्ति र वा द्य ॥ अथ निलिखे ॥ अथ ॥ कर्त्तुं न लीय ॥

५॥ श्रीमान् ह्य नि ३॥

इति

四

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ वाक्कलत्रं वाक्कलत्रं ॥ सोमन
स्य सोमार्घ्यं ॥ कमलविरचय कथय ॥ वाक्कलत्रं वाक्कलत्रं ॥ वाक्कलत्रं वाक्कलत्रं ॥
मन्त्रार्थं ॥ नावनि लायं ॥ लादिना दधिदिमन् ॥ लादिना दधोय (धे) मन्त्र
न्यथा रवति ॥ सचष्टिन् ॥ लादिनिमा ॥ अनिमा ॥ ॥ मन्त्रमधि ॥ मन्त्रमधि ॥
लियत्राया रवति ॥ यथेमा ॥ ॥ वहालोयं निविह ॥ वहालोयं निविह ॥
॥ मन्त्रमधि ॥ मन्त्रमधि ॥ ॥ नास्ति मन्त्रमधि ॥ नास्ति मन्त्रमधि ॥ ॥
मन्त्रमधि ॥ मन्त्रमधि ॥ ॥ नास्ति मन्त्रमधि ॥ नास्ति मन्त्रमधि ॥ ॥

१५ वदन् नृपयामि मना दीनामिहा वस्यन्वायातवजि ॥ वदोऽ (य) क्लान्तहृया दशशः ॥ २॥

॥ सा नमः ॥

४॥

या

१२

[illegible]

पञ्चमः अक्षरः

一 風

श्रुय जि २

[illegible][illegible]

१ मुद्रावृत्ति १

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

चानि नववचनानि ज्ञात्वा नवदसं कानि राव नि ॥ वरुमि न ॥
 ॥ ति वं न स मु नि ॥ ति वं न स मु नि ॥ ति वं न स मु नि ॥ ति वं न स मु नि ॥
 (ध) न व ह म रे ॥ ॥ या ज द्वा य नि स मा क डि या य ल कि त धु व नः
 मान स सि न व क मा न ज रि (ध) ति वा दे य ४ यु ल या र व नि ॥ ॥ अ स्य
 ति वा द ४ या नि नी या नां ल ति नि स र ॥ ना मि व च्छु म्म दि चा स दि च रा (गे)
 यु थ म म क्षु मा र्त्त मा ४ ॥ ना मा दि वृ य द वृ स म्म ति ति रा जे य य ल या र व
 नि ना मि पु य्म मा न च श द द य च्छु मा र्त्त ति ति थ म ३ य च्छु मा र्त्त ति ति ॥ य च्छु

श्री
 सा
 ज
 नि
 ॥

न ७

य १

दि स क्ष म ल वे वा स दू क म म ॥ क र्त्त वि य च ॥ य द्वा य न स वे द क र्त्त वि र व नि
 ॥ च न द्वा दा स न व द म यि ॥ ग र गू ल त स ७ य च्छु म्म य दि ना वि क र ल नि
 वा द य था द्वा क ॥ ग र क ल वि व च्छा य थ म य च्छु म्म क व र न ल नि ५ ल निः
 नि ग ॥ य का ज ४ य का य थ ४ ॥ ॥ अ व क र्त्त वि ॥ क्ष मा ज य ल या र व नि क र्त्त
 वि वि हि न वृ थ दि वृ दि य थ क र्त्त य ज न ४ ॥ य का थ वि क र ल र द क्षा य नाः
 थ ४ ॥ शु न ४ ॥ क्ष मा ज य ल या र व नि ना मि ना उ ल र व नि ॥ अ वा द ल ग र व नि ॥
 दि ल वि व का य र न स र नि नि ग ॥ ॥ अ यि ला दि दि न ॥ य का थ र्त्त ना दि व

चविहायानय्य वृथादि सुस्तरवति ॥ ॥ दिव्यद्वि सिः किमिदितियव
 भाः कुलानरवति ॥ द्रुमवर्क यिन्ना ॥ कृतदि वचना इमिय मंडल (सकवः
 नि ॥ नमादि लाक सिउनेयु निःक्षयि ज्ययय निमिभा उ (सकवयव ॥ मावि स
 र्ज ॥ गवन ॥ व द्दर्थ वि वकार्य र व अ नि वृति किम ॥ ॥ जद ॥ जका वस्यः
 लाया नव नि जका व ल का प्रचय प्र ॥ नव नि ॥ रुव सि ॥ नव थ ॥ नव थ ॥
 ॥ का या ॥ जका व स्य जल रुव नि व का व स का व च य प्र ॥ रुव सि ॥ रुव व
 ॥ रुव म ॥ ॥ स न ज का मि का रुव नि ॥ ल सा धू रुव सि ॥ रुव मा ल वि रु

१६

प्रीसा न सति १॥

५॥

य

(अ ७

वासि ॥ वृथादियु आ क र्थ ॥ ॥ रुव व क ना च य नृ व ल व शा म च ल च र
 धू रु व थ ॥ ॥ ० ॥ ॥ वि वि ह र व न या ॥ य ॥ या ना ॥ य म ॥ या सा या ना
 या न ॥ या ॥ या व ॥ या म ॥ ॥ न ॥ ॥ या ना ॥ ॥ वी व न ॥ ॥ थ म ॥ ॥ या थ ॥ ॥ वी
 ॥ ॥ वी य ॥ ॥ वी व हि ॥ ॥ वी म हि ॥ ॥ वि वि ॥ क र्क बा थ य द ॥ ॥ स र व न क
 ल्य ना मू ह ॥ ग य आ द द य थ य र व नि ॥ न व लि दि नि म ज्ञ या नि नी
 या ना ॥ ॥ या ॥ ज का म ॥ य या या ॥ वी रु व नि ॥ ॥ रु व ॥ रु व ॥ रु व ना ॥ ॥
 य स ॥ ॥ ज का म ल य स य स ॥ रु व ग म र व नि ॥ रु व य ॥ रु व ॥ रु व ना ॥

१८

[illegible]

四

१५॥ सान्द्र नि ॥

[illegible]

七

यचन॥यचयी॥यचव॥यचम॥यचनु॥यचनाद्वा॥यचनी॥यचन्तु
॥यच॥यचनाद्वा॥यचनं॥यचन॥यचानि॥यचाव॥यचाम॥
जुयच॥जुयचनी॥जुयचन॥जुयच१॥जुयचनं॥जुयचन॥जुयच
॥जुयचाव॥जुयचाम॥यत्रसेवदनर्य॥जूत्सनेयदइति॥
यचनं॥यचनं॥यचन॥यचम॥यंचधे॥यचधे॥यच॥यचाव
इ॥यचामइ॥यचन॥यचयातां॥यचनन॥यचथ॥यचयाथ
॥यचध्व॥यचय॥यचयदि॥यचमहि॥यचनी॥यचनी॥यच

२५॥ सा न च नि ॥

五

七

[illegible]

५०

जसा द्वि० ४॥१

[illegible]

दी

श्रीसाधसि॥

५१

七二

व वीमि वृदशा वृमशा ॥ विविशं न नया ॥ वृया ॥ वृया गी ॥ वृयु ॥
 ॥ वृयादि ॥ वृवीन ॥ वृविंयाना ॥ वृवीवन ॥ ॥ वृवीर्त ॥ वृगाद्री ॥ वृनी ॥
 वृकेंतु ॥ वृदि ॥ वृताद्या ॥ वृन ॥ वृम ॥ वृवादि ॥ वृवाव ॥ वृवाम ॥ ॥ वृनी
 ॥ वृवाता ॥ वृवनी ॥ ॥ ज्वृवी ॥ ज्वृनी ॥ ज्वृवन ॥ ज्वृवीश ॥ ॥ ज्वृन
 ॥ ज्वृवाता ॥ ज्वृवन ॥ ज्वृथ ॥ ॥ ॥ वृयादि ॥ ॥ ॥ वृदानी लुग्वि क
 वृयायि रुदायादि ग वृवि (वृय ॥ ॥ इदानी न नया ॥ वृवादि ॥
 इ वृयाद र्ज वृ इत्य नयाया लुग्वि व नि स ति तस्मि न यानि ज्वृदि वृचर्त ॥

[illegible]

三

श्रीसायनाभिः॥

[illegible][illegible]

५५। सो न ह नि भ

८३

दृष्ट॥ अक्षरि॥ ॐ स्वस्ति श्रीगणेशाय नमः हरियत्र वा ॐ का वल्ली कान्तचयवः
नि॥ उदिहि॥ जहीदि॥ जहादि॥ जहीनाद्वा॥ जहीनी॥ जहीन॥ ॥ दिवा
व॥ वावसानं॥ अजहा॥ अजहीनी॥ अनड॥ उमा लाय॥ उहियत्र आका
वसलाथारुवनि॥ अजहु॥ ॐ त्यादि॥ पुदा अदाने॥ एकउठरयय दार्थ
॥ इका प्रातिक्रियायि॥ दा नि॥ ॐ निमित्त॥ द्विवचनादियूववे॥ द्वाद्विः
॥ दुःख॥ ददनि॥ ॥ दाद॥ द्विकारुवस्य ददयाका वसलाथारुवनि॥ दि
नियत्र॥ रवसेवया जमाना॥ दक॥ ॥ दलीलोथा॥ ददनि॥ ददाहि॥ दकशाद

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

[illegible]

नोनमादीनाचसकाननकाचयासोयूइलाविनाववकाचकाचोरवनशागतनछ
वनिमिगयसस ॥ नूयभाधिकनससनूयवयसउयवयसचयु(सहवनि
यव ॥ ॥ जलिव(सनिशामःशामयाजी ॥ सनूग ॥ सत्वनि ॥ सनामि ॥ सनूथ ॥
सनूथ ॥ सनामि ॥ ॥ उच्चमादीलाय ॥ सनूव ॥ सत्व ॥ सनूम ॥ सनूम ॥ सनूया ॥ स
नूयागा ॥ सनूय ॥ ॥ सनाउ ॥ सनूगाद्या ॥ सनूगा ॥ सत्वकु ॥ ॥ उच्चमादीलाय ॥ सनूव
संवनिनउकाचाइकचसहसूगवनि ॥ वागुरुमासथागाइकसगद्वलकनूग
कचधनकुदीयगनरुवनि ॥ सनू ॥ सनूगाद्या ॥ सनूगा ॥ सनूग ॥ सनूयानि ॥ सनूयाव ॥

१५। सांनसि
ह

या

[illegible]

61

[illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

नमः सकाशात् वनिमिपिविवथ ॥ सप्तविमर्जशा ॥ जूयशा ॥ जूयना ॥ जूयं ॥ जूः
 जूय ॥ जूयव ॥ जूय ॥ जूय ॥ ॥ जालनयदयि ॥ जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥
 दनेन ॥ जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥ ॥ जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥ ॥
 जूय ॥ जूय ॥ जूय ॥ ॥ ननु विष्णु ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥
 आरुयनि ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥
 ॥ ननु य ॥ ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥
 ननु य ॥ ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥ ननु य ॥

३३

८२

[illegible]

॥ श्री गणेशाय नमः ॥

[illegible]

五

五

६२

[illegible]

2

स१

[illegible]

২২

[illegible]

स

[illegible]

६३

वृद्धिर्लघुतिष्ठतिमिति च यत्तु यत्तु वन ॥ यथाय ॥ लदि ८ कि ७ ॥ लदि न यि कि ८
वति ॥ लाय ८ यय कि ८ यय ॥ यथादी नाद ८ दी ना कि ति ८ दी स ति यु व स ला था ह व
व का न स य च क ह स स्य क ८ ॥ यच ८ ॥ यच ८ ॥ ॥ व ८ थ य ८ स ८ ८ कि ८ ल वा व क
य ॥ कि ला द ल य व ला थो ॥ यचि थ ॥ या क ॥ यय क ॥ यच थ ॥ यच ॥ ॥ व व न मा
वा ति द क य ८ न ना वि क ल न वृ द्धि ८ यथाय ॥ ययय ॥ यचि व ॥ यचि म ॥ जाले न
य द यि ला या दि यु व व ८ ॥ यच ॥ यचान ॥ यचि न ॥ यचि थ ॥ यचा थ ॥ ॥ जू व स
व ह वां द नि व क य ॥ यचि थ ॥ यच ॥ यचि व ह यचि म ह ॥ ॥ दि ८ ॥ ८ ॥ य व स व

三

ह्यदलविषयख्यातयतिविक्रं दामनदिल्लंनठलशाजागनावेकावाजागनाचक्र
उशाजागनाचक्रविलादि॥जागनाचक्रव॥नक्षत्रक॥नक्षत्रकाग॥नक्षत्रक्रिय
॥ ॥विदस्तुन॥अकावउचायमर्थशा ॥आविदस्तुनशाजामिययवि
दस्तुननठवति॥विदाचकाव॥विदामास॥विदावहव॥लीकदगनि॥
लीकाचक्र॥उदवितर्क॥उलचक्र॥ ॥उषविदजागननक्षत्रावक
यशा॥उषाचकाव॥उषास॥विदाकाव॥विदद॥जागनाचकाव॥जाग
जागना॥लीलादिकासादयशाअधुनायत्ययाकलजामनिनृयन॥॥

गी
सा
सा
सा
सा

२७

न

कायामासेन॥सशादित्या॥मनरुवा॥सह्यमादिदिनद्विशाकृदायुभायमे।म
॥दीयशाकिनाल॥सशाआमयत्यय॥यस्यलायशाउलरुविकान्यायननक्षत्रा
दगमन॥चिकीषाकाव॥चिकीषाकृदशायुगीयामरव॥वधुवधुनि॥
वधुयामरव॥वधुयामरवउशावधुयामरवविलादि॥शादुदुदीषादिः
नृकानासामावकयशा॥अलीरय॥दुदानादनयाशा॥हृ ॥अवधयंयावध
या॥दीलह्या॥॥रुगसादिनृकानीकादिगद्यमिद्वानावामकयशाः
रुअलकिशा॥मयानाउवचया॥दुसशावदिशा॥नजाय॥विहनाचकाव॥वि

थर

श्रीमान्दत्त

2

व न्नाय ॥ जिगाय ॥ जिग्गुग ॥ जिग्गुग ॥ व न्नाय ॥ जिगयिथ ॥ जि
 गथ ॥ जिगाय ॥ जिगय ॥ कादधुद ॥ जिग्गिवा ॥ जिग्गिम ॥ वैचिलाय द्रवथा नन्म
 लयिन्मदिर्दकय ॥ सूकादं किलविललाय ॥ लयलाय ॥ लाय ॥ यचां किलयवा
 ॥ विलयिथ ॥ विलयु ॥ ॥ नार्दक लिमं उगम ॥ ॥ गमां स्वय ॥ गमहन उतरव नय्य;
 मिन् ॥ यगमा मूय ॥ या अका नमलाथा रवगिस्वय किदिगियय ॥ दिधु ॥ सस्वनादि
 दिवदि ॥ कृहां ॥ गमसूयुगमी ॥ ॥ काया लिक्काया थ ॥ उगम ॥ उगम ॥ उगम ॥ उ
 गम ॥ उगमिथ ॥ मातूलाय ॥ गमायथ ॥ उगम ॥ उगम ॥ उगम ॥ उगम ॥ उगम ॥ उगम ॥

५१

२५। सा न सु नि ॥
८

[illegible]

खनन॥ कथं चरवान् युकुं क० अचरवुठु॥ चरवनिधा चरव नु॥ ॐ ह्यादि॥ यक
 जदन॥ यो मज्जं सँजय्यासां व॥ गमां सव॥ ॐ ह्यय धा लाय कमा रव सँच या म
 साना मि नि क का व॥ यसाथ ४ व॥ यसादीनां स का व स्य व का जा ह व नि दि ति च
 य व॥ यसां सव सादीनां स का व स्य व का व॥ कव सँथा गक॥ जक ठु॥ जक
 ॥ जय सि धा जक थू॥ जक॥ ॐ ह्यादि॥ ॥ जमाद्यु॥ जका गाना द्वा ४ यनाः
 दय जी ह व नि॥ डि ला दि ला य॥ डि क व र्ण वि ना यि नू य सि द्ध व र्णि क व र्णि जमा य
 जि नि य ग्मा व ल्य थ ठ ल्यि॥ ॥ द दो दानं ग दा दा ता य थो थ र्यं म दा य न ॥ न

श्रीमद्भक्तिसूत्रम्

३

कौपीनमुदाहृतं धर्तृद्विधा वर्तयति ॥ ज्ञानान्नयि ॥ त्रिविद्यमानायुष्यथायुगसाः
 नयंस्मिन्नकिंनिस्रश्चक्रावयलाथावति ॥ दददु॥ ददु॥ ददिथाददाथ ॥ दद
 धृ॥ ददाददो ॥ ददिवादिम ॥ दद ॥ ददाग ॥ ददिन ॥ रूपादि ॥ कागनिनिवृत्ति ॥ का
 र्त्तुनिमित्त ॥ अद॥ य॥ स॥ ए॥ दि॥ दि॥ वचनं ॥ न॥ सा॥ स॥ या॥ श॥ दि॥ वचनं ॥ क॥ न॥ य॥ य॥
 द॥ य॥ ग॥ स॥ सा॥ इ॥ न॥ अ॥ य॥ श॥ नि॥ य॥ न॥ न॥ सा॥ श॥ द॥ स॥ य॥ द॥ ग॥ य॥ ॥ ग॥ स॥ ग॥ स॥
 न॥ स॥ श॥ ग॥ स॥ य॥ ॥ रूपादि ॥ या॥ या॥ य॥ ॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ ॥ य॥ य॥ ॥
 रूपादि ॥ ॥ य॥ य॥ ॥ दि॥ ॥ अ॥ द॥ य॥ स॥ ॥ अ॥ ग॥ य॥ ॥ य॥ य॥ द॥ सा॥ दि॥ ॥ न॥ य॥ ॥

२८

युवस्यादिह स॥ शि॥ व॥ न॥ न्या॥ ल॥ अ॥ ग॥ ॥ य॥ ॥ स॥ स॥ ॥ अ॥ ग॥ ॥ न॥ यि॥ ॥ स॥ स॥ ॥ उ॥ श॥ स॥ स॥ ॥
 स॥ स॥ य॥ ॥ स॥ स॥ ॥ रूपादि ॥ स॥ स॥ ॥ स॥ स॥ ॥ स॥ स॥ ॥ रूपादि ॥ द॥ य॥ स॥ ॥ दि॥ ॥
 अ॥ द॥ य॥ स॥ ॥ अ॥ ग॥ ॥ अ॥ स॥ ॥ अ॥ य॥ ॥ न॥ अ॥ ग॥ ॥ उ॥ क॥ य॥ ॥ उ॥ य॥ ॥ उ॥ य॥ ॥
 व॥ य॥ ॥ अ॥ ग॥ ॥ उ॥ य॥ ॥ क॥ द॥ ॥ अ॥ य॥ ॥ उ॥ य॥ ॥ ॥ य॥ उ॥ य॥ य॥ स॥ ग॥ नि॥ के॥ व॥
 द॥ न॥ य॥ ॥ अ॥ क॥ य॥ ॥ अ॥ यि॥ ग॥ उ॥ य॥ य॥ द॥ अ॥ य॥ ॥ य॥ उ॥ य॥ ॥ रू॥ नि॥ नि॥ ॥ दि॥ व॥ च॥ ना॥ दि॥
 द॥ वा॥ दी॥ य॥ य॥ ॥ द॥ वा॥ दी॥ य॥ य॥ अ॥ दी॥ नी॥ च॥ य॥ य॥ स॥ य॥ स॥ य॥ स॥ य॥ स॥ य॥ स॥ य॥
 रू॥ क॥ य॥ ॥ अ॥ ग॥ उ॥ य॥ अ॥ य॥ ॥ स॥ रू॥ य॥ उ॥ ज॥ न॥ द॥ न॥ ॥ य॥ उ॥ य॥ व॥ ला॥ र्था॥ य॥ न॥ स॥ य॥ स॥ य॥

शा
जोसि नसे निशा
अं

जभा॥ससजाददित्रदिशाआसाधुदो॥आनऊ॥आकिताकडुलनकाचिगाः
 आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥
 नऊ॥जवयुकोया॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥आनऊ॥
 ग॥सनादोवकिववकय॥विजवयन॥नि॥युव॥दि॥ध॥आसाधुमिनशा
 आ॥नि॥वि॥कायचिर्नजा॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥
 क॥थ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥नि॥वि॥क॥रु॥आ॥
 ॥यके॥वि॥चा॥य॥वि॥य॥रु॥वि॥य॥रु॥वि॥य॥रु॥वि॥य॥रु॥वि॥य॥रु॥वि॥य॥रु॥

१००

उ२

गिरयमावर्ग॥दि॥ध॥यु॥व॥स॥ह॥सा॥दि॥॥ज॥म॥शा॥ज॥या॥न॥ज॥व॥च॥या॥ग॥न॥ग॥उ॥य॥आ॥या॥
 ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥
 ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥ऊ॥अ॥ह॥
 हि॥म॥॥य॥ज॥स॥म॥व॥ह॥॥दि॥व॥च॥न॥ा॥दि॥यु॥व॥॥दि॥ध॥॥म॥वा॥दो॥यु॥व॥सा॥ऊ॥अ॥
 आ॥सा॥धु॥मि॥न॥शा॥आ॥य॥॥स॥मि॥या॥य॥सा॥रु॥न॥स॥रु॥अ॥स॥मि॥य॥रु॥आ॥म॥मि॥य॥य॥॥
 स॥मि॥य॥यि॥॥य॥ज॥ग॥नु॥स॥ना॥न॥॥य॥ज॥व॥य॥न॥यि॥॥य॥ज॥अ॥भा॥न॥यि॥वि॥ये॥य॥व॥
 य॥अ॥द॥॥रु॥व॥मि॥॥दि॥ध॥मि॥दि॥॥यु॥व॥सा॥स॥य॥मा॥व॥र्ग॥दि॥गी॥य॥सा॥य॥ज॥यि॥व॥

दृष्टक यशः श्रुत वता श्रुत शः श्रुत तां श्रुत ता श्रुत व मां श्रुत ना श्रुत नां ॥ स्या
 विदशा म मा को वा ना द्विद ॥ स्या न य स्या न उ म रु व नि ॥ उ स्या ला य शः श्रुत शः श्रुत शः श्रु
 दा तां श्रुत दा ग ॥ श्रुत दा श्रुत दा व ॥ श्रुत दा म ॥ श्रुत क्ष ७ श्रुत क्षा ७ श्रुत नै गो ॥ श्रुत को व उ च्चा व धा थ शः
 ७ श्रुत मिला य शः व क य शः श्रुत शः ७ श्रुत यो दि ॥ मो ठ शः मा शः दृष्ट य दृष्ट मान ६ ठा ला था
 रु य धि ॥ दृष्ट च दृष्ट या मा दृष्टि य ॥ मि स ना मि स्य या मि न ॥ कि न स्य श्रुत शः कृति ३ कृ शः
 (क्षर स ल यि शः मा दृष्टि क्ष ॥ श्रुत मा ग मा क्ष स ॥ मा ग ग वि न म दि न ॥ स म था (गो र्थ
 रु नि ॥ नृ श मा स मा र ॥ ॥ व र्ण मा ना भ श्रुति स म था (ग र ता थ ना व क य शः श्रुत स
 हा जी न शः य उ नि स य मि दि न शः य या था (ग व र्ण मा न का ल रु ता थ ना व क य शः व स

१०५

श्री ९

श्री ह य न वि द्या शः ॥ या क य न नि या ग था (ग र त्रि क गि का ल व र्ण मा न का ल य थ
 या रु व नि ॥ या व न या नि ॥ य या यो नि ॥ क दा क द्रि या (ग व र्ण मा न ना वा ॥ क दा क द्रि याः
 वृ क्ता शः श्रुत वा ॥ व र्ण मा न सा मी थ रु वि द्या गि का ल व र्ण मा न ना वा रु व नि ॥ श्रुत क
 द्रो क नि धि ॥ उ ग न उ मा क नू य यो (ग रु वि द्या गि का ल व र्ण मा न ना वा ॥ क न मः क न य
 वा शः उ य नि ॥ शः उ यि य मि वा ॥ दि ल्य ॥ थ य न सै य द य न सि हि रु व नि ॥ नि लो न रु
 द्वि शः श्रुत क र्म न रु नि मि न ॥ स श मि श द्वा य न या दि यो वी ज ग मा रु व नि ॥ श्रुति व क र्म न ॥
 श्रुत क र्म न श्रुत क र्म शः वि द शः श्रुत क र्म शः श्रुत क र्म ॥ श्रुत क र्म ॥ श्रुत क र्म ॥ श्रुत क र्म ॥
 ॥ दृष्ट रु व (ग ॥ य वि उ य स र्म शः य य द्वा र्मि न ना क र्मि न ॥ व द य का य वा चि ॥ श्रु

धी
 सा
 न
 य
 धी

विस्व नमः प्रियं वृद्धिं शसि सता सी स्या या मिदं ॥ स्या ॥ द्वा दीन ॥ ॥ ॐ ठ ॥ ॐ ठि ॥ ॐ ठ उ न
 नमः स लीया र व ति ॥ ॐ ठि य न ॥ व उ ग न ॥ वृ श सि ॥ सिस न ॥ सिस या मिठ ॥ आदिः
 स्व नमः प्रियं वृद्धिं शसि शदि या दा व ॥ व व सान ॥ स व ॥ दु दी द श या वा जी ने ॥ ॐ न न
 दू स स जा ग रु सा दि व ऊ वृ द्धि श ॥ क रु हिं सा या ॥ अ रु ही न ॥ स मू या ध न ॥ अ रु सी न ॥
 अ रु सी न ॥ रु स रु स न ॥ अ रु सी न ॥ रु व श ॥ अ रु ग नी न ॥ व म उ द म न ॥ अ रु मि न ॥ अ रु
 ग नी ॥ वृ द्धि श ॥ अ रु यी न ॥ य य वि ने स मू स (ग) ॥ अ रु यी ग द य ग नी ॥ अ रु द यी न ॥ न रु
 ग द ॥ अ रु यी न ॥ ॥ ली या दू स ॥ अ रु स ॥ दू स ॥ रु न नमः स ली या र व ति ॥ स म य य ॥
 अ रु न ॥ अ रु वा ना ॥ अ रु व न ॥ अ रु थ श ॥ अ रु वा थ ॥ अ रु ड ॥ अ रु वि ॥ अ रु व दि

१०७

ॐ द्वा शना वागी या द ॥ ॐ व नि सो य न ॥ २

॥ अ रु म के दि ॥ दा द वि श ॥ अ रु दि ग ॥ अ रु मि ता ॥ अ रु मि या नी ॥ अ रु मि य न ॥ ॐ ला दि ॥ अ रु ना अ रु ना
 द न ग ॥ ॥ ॐ रु अ रु य न ॥ ॐ दा वा जी सो ॥ अ रु य जी द ॥ दि या दा व ॥ स वा द श ॥
 अ रु न ॥ न न न ॥ अ रु य द ॥ अ रु य म ना ॥ अ रु य न ॥ अ रु य द श ॥ अ रु य थ ॥ अ रु य
 द ॥ अ रु ग टी ॥ अ रु स ली या व क य श ॥ अ रु यि ॥ अ रु यि ॥ अ रु यि ॥ अ रु यि ॥ अ रु यि ॥
 अ रु य ॥ मि य रु या दि क य द व ॥ वृ द्धि श ॥ ॐ उ ग म श ॥ ॐ उ ग म श ॥ अ रु वि स
 ॐ ठ ॐ नि मि ग ॥ ॐ ठ ॐ ठि ॥ ॐ ठ उ न नमः स ली या र व ति ॥ ॐ ठि य न दी द य ॥
 वा य सान ॥ अ रु यी न ॥ अ रु यि य ॥ स वि द श ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥
 अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥ अ रु यि य ॥

२ अ रु यि य २

५१

११३

मन्त्रि तीज द का नरु शान्ता नरु लोचन ॥ ३ ॥

[illegible]

३१

۷۷۲

५३

कमलजाजाद३४॥सर्वोक्त३॥कर्मसाक्षात्काराद्युज्ज्वला॥ब्राह्मि।४

[illegible]

॥ * म सा विथें रुमा ल द उ ह न (वा रु हि) ॥

५

[illegible]

۶۶۷

ॐ स्वास्तुभा य द्वादिग्रन्था कदाका वास्तुहिसि। एवमि। वास्तुहिसि वास्तुहिसि ४

[illegible]

੧੧੬

[illegible]

यथायथायगीययुःश्रुयगीयगाधनमिहनिमनीयमिउदकम्यादनाथडाशउदकमात्मनः
 चतिउदयमि। काममयीकृति। ॐ श्रुयाम(थयि)काममि॥ ॥ कत्र(होचयः॥ कछुटि)य० कत्र
 (हो)थयिययथाययमि॥ कछुं कथागीमि। कछुयेमि॥ उरुययदी॥ तय० कथागीमिगयमि॥
 मन० कथागीमि। मनसुमि। उरुययदाथयि॥ ॥ कछुं कत्र(हो॥ नाम्ना श्रिययथाययमिः
 कत्र(हो)थी॥ सयउति॥ कछुं कथागीमि। कछुयेमि॥ उरुययदी॥ तय० कथागीमिगयमि॥
 यठिमि॥ ॐ निमिह्मि। मृगउयययय॥ ॐ नि वृद्धि यथा॥ मितादसु० अरुयो(० मिता० यय
 यठिनाना॥ अरुना॥ कछुं कथागीमि। अयककत्रि। गुहयाय(०)॥ यठक० कथागीमिगययमि॥ यठ
 य०॥ यठयय॥ अयठयन। ययययकाययठयिना। यया॥ यठयि यमि। अयठययिना। अय
 ययिनामहा० कथागीमिमहयमि॥ उरुं कथागीमि। उरुयमि। उरुय०॥ उरुयय॥ उरुयय॥

१२२

यथायथायगीययुःश्रुयगीयगाधनमिहनिमनीयमिउदकम्यादनाथडाशउदकमात्मनः
 मनिह्मि। मृगउयययय॥ ॐ नि वृद्धि यथा॥ मितादसु० अरुयो(० मिता० यय
 यठिनाना॥ अरुना॥ कछुं कथागीमि। अयककत्रि। गुहयाय(०)॥ यठक० कथागीमिगययमि॥ यठ
 य०॥ यठयय॥ अयठयन। ययययकाययठयिना। यया॥ यठयि यमि। अयठययिना। अय
 ययिनामहा० कथागीमिमहयमि॥ उरुं कथागीमि। उरुयमि। उरुय०॥ उरुयय॥ उरुयय॥
 यथायथायगीययुःश्रुयगीयगाधनमिहनिमनीयमिउदकम्यादनाथडाशउदकमात्मनः
 मनिह्मि। मृगउयययय॥ ॐ नि वृद्धि यथा॥ मितादसु० अरुयो(० मिता० यय
 यठिनाना॥ अरुना॥ कछुं कथागीमि। अयककत्रि। गुहयाय(०)॥ यठक० कथागीमिगययमि॥ यठ
 य०॥ यठयय॥ अयठयन। ययययकाययठयिना। यया॥ यठयि यमि। अयठययिना। अय
 ययिनामहा० कथागीमिमहयमि॥ उरुं कथागीमि। उरुयमि। उरुय०॥ उरुयय॥ उरुयय॥
 यथायथायगीययुःश्रुयगीयगाधनमिहनिमनीयमिउदकम्यादनाथडाशउदकमात्मनः
 मनिह्मि। मृगउयययय॥ ॐ नि वृद्धि यथा॥ मितादसु० अरुयो(० मिता० यय
 यठिनाना॥ अरुना॥ कछुं कथागीमि। अयककत्रि। गुहयाय(०)॥ यठक० कथागीमिगययमि॥ यठ
 य०॥ यठयय॥ अयठयन। ययययकाययठयिना। यया॥ यठयि यमि। अयठययिना। अय
 ययिनामहा० कथागीमिमहयमि॥ उरुं कथागीमि। उरुयमि। उरुय०॥ उरुयय॥ उरुयय॥

गदीना न ग दामय हनवलद धनदमित दवानत आणा हनिहन विनि छि प्रहृतय
द्वानि छिन्मात द्र पति नमनाथ निरात आ दन नतनी वदत दा कं गानि तनर्ष ॥
एवानी काय ॥ ॥ ७ ॥ ॥

नमः ॥ एवानी ॥

नमः ॥

१२८